dic and Unani medicines. However, in cases of doubt the particular ingredients of a drug are got tested from C.I.P.L. Ghaziabad.

Commission agent for purchase of Boeing aircraft for Air-India

542. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 829 given in the Rajya Sabha on 4th March, 1987 and state the name of the concern appointed as the commission agent for the purchase of Boeing 747-300 Airbus aircraft for Air India and what is the estimated commission to be paid?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI JAGDISH TYTLER): No commission agents have been appointed for the purchase of these aircraft and Air-India deals with the manufacturers, directly. Consequently, the question of payment of commission to any commission agent, does not arise.

Head-quarter of Ratnagiri-Sindhudurg Telephone Circle

543. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Headquarter of Ratnagiri-Sindhudurg Telephone Circle is at Kolhapur which is outside the circle; and

(b) if so what are the reasons therefor and by when the headquarter is likely to be shifted within the circle?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) and (b) Headquarter of Telecom District Engineer for Telecom District of Ratnagiri-Sindhudurg SSAs has already been shifted to Ratnagiri.

डाक और तार विभाग के विभागेतर कर्मचारियों द्वारा धरना

544. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या डाक और तार विभाग के विभागेतर कर्मचारी दिल्ली में मुख्यालय के सामने अपना धरना, प्रदर्शन तथा बैठकें जारी रखे हुए हैं,

(ख) यदि हां, तो कब से और उनकी मांगे क्या हैं तथा उनकी मांगों पर ध्यान न दिए जाने के क्या कारण हैं ; और

(ग) सबूर समिति ने अपना प्रतिवेदन कब प्रस्तुत किया था और इसकी सिफारिशों के लागू किए जाने में हो रहे विलम्ब के क्या कारण हैं ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव :)

(क) और (ख) भारतीय अतिरिक्त विभागीय कर्मचारी संघ ने 24 फरवरी, 87 से डाक तार भवन, नई दिल्ली पर अनिश्चित "स्ले भूख हड़ताल "शुरू की है। यह अतिरिक्त विभागीय कर्मचारियों के सेवा मामलों से संबंधित संघ की मांग के संबंध में है (ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है) (नीचे देखिये)। अतिरिक्त विभागीय मामलों के लिए अतिरिक्त विभागीय समिति की रिपोर्ट पर सरकार विचार कर रही है।

(ग) सबूर समिति ने अगस्त, 1986 में अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत की थी। समिति ने 171 सिफारिशें की थीं। डाक विभाग ने इन सभी सिफारिशों और रिपोर्ट की जांच पूरी कर ली है। विभाग ने विभिन्न संघों के साथ परामर्श और विचार-विमर्श किया है।

संसद सदस्य सलाहकार समिति के सदस्यों की भी इच्छा है कि निष्कर्ष निकालते समय उनके विचारों पर सुनवाई और ध्यान दिया जाए। संसद सदस्यों की सलाहकार समिति की बैठक 23-4-87 को होनी निश्चित हुई है। बैठक में सबूर समिति की रिपोर्ट पर विचार किया जाएगा।

विवरण

संघ की मुख्य मांगें :

1. अतिरिक्त विभागीय कर्मचारियों को नियमित करना ।
2. समान कार्य के लिए समान वेतन ।
3. अतिरिक्त विभागीय डाकघरों का बन्द होने से रोकना और अतिरिक्त विभागीय कर्मचारियों का शोषण बन्द करना ।
4. अतिरिक्त विभागीय समिति की रिपोर्ट पर शीघ्र निर्णय ।
5. अतिरिक्त विभागीय कर्मचारियों के लिये वेतन बोर्ड का गठन ।
6. प्रत्येक 5 वर्ष बाद वेतन का संशोधन ।
7. समयबद्ध पदोन्नति ।
8. विभागीय परिषद् में भा० अति० वि भा० कर्म० संघ के प्रतिनिधित्व की मंजूरी ।
9. अतिरिक्त विभागीय समिति की सिफारिशों के अनुसार अतिरिक्त विभागीय संघ को तृतीय और चतुर्थ श्रेणी संघों से अलग करना ।
10. अतिरिक्त विभागीय कर्मचारियों की शिकायतों के उचित निपटान के लिये प्रत्येक प्रशासनिक स्तर पर अलग कक्ष की स्थापना ।
11. अतिरिक्त विभागीय कर्मचारियों को ट्रेड यूनियन सुविधायें मंजूर करना ।
12. अतिरिक्त विभागीय स्टैंप वेंडरों के लिये यथार्थ समय सीमा मानदंड ।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में हृदय के वाल्व का उपचार

545. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री वह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान **अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में कितने लोगों** के हृदय के वाल्व बदले गये और इसके लिए इस संस्थान में आए व्यक्तियों की संख्या कितनी है तथा अपने हृदय के लिए वाल्व को बदलवाने के कितने लोग अपनी बारी आने की प्रतीक्षा में हैं और वे कब से प्रतीक्षा में हैं ;

(ख) प्रति रोगी एक, दो या तीन वाल्वों की बदली करने पर, दवाओं तथा रक्त की व्यवस्था पर अनुमानतः कितना खर्च आता है और रोगियों को ये मदें समय पर उपलब्ध कराये जाने के लिए सरकार ने क्या प्रबन्ध किये हैं ; और

(ग) क्या यह सच है कि 80 प्रतिशत रोगी बिहार के हैं और क्या सरकार इस बीमारी के होने के कारणों का पता लगाने के लिए तथा उसके बाद उसके लिए अपेक्षित उपचार हेतु एक सर्वेक्षण कराने का विचार रखती है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) वर्ष 1974 से लेकर अब तक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में 1212 रोगियों के हृदय के वाल्व बदले गये हैं। पिछले तीन वर्षों के दौरान 396 रोगी उपचार के लिए संस्थान में आये और उनके आपरेशन किए गये। हृदय वक्ष केन्द्र में नये आपरेशन थियेटर शुरू हो जाने के बाद इस समय उक्त संस्थान में कोई प्रतीक्षा सूची नहीं है।

(ख) एक प्रोस्थेटिक वाल्व (जार्क-शिले) की कीमत 15,000 रुपये तथा डिस्पोजेबल आक्सीजनरेटर, ट्यूबिंग पक सूचर्स आदि पर लगभग 10,000 रुपये से 12,000 रुपये का अन्य खर्च होता है।

(ग) जहां तक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का सम्बन्ध है, लगभग 30 प्रतिशत रोगी जिनके वाल्व बदलने की जरूरत होती है, बिहार से आते हैं। इस रोग के बारे में सर्वेक्षण करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।